चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर....

दिनांक ..2.2.2019.. पृष्ठ सं. ....5.... कॉलम ....2-6....

कार्यक्रम • एचएयू में रॉव बहादुर डॉ. रामधन सिंह मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया

डॉ. रामधन ने गेहूं, चावल, जौ व दलहनों की 25 उन्नत किस्में की थीं विकसित, जिससे खाद्यान्न की कमी हुई दूर

भास्कर न्यूज़ | हिसार

एचएयू के रॉव बहादुर डॉ. रामधन सिंह मेमोरियल लेक्चर हॉल में पुस्तक का विमोचन करते वीसी प्रो. केपी सिंह व अन्य पदाधिकारी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शुक्रवार को रॉव बहादुर डॉ. रामधन सिंह मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि, जबकि यूनिवर्सिटी ऑफ गुएल्फ, कनाडा के उपाध्यक्ष डेनियल एल्टिन मुख्य वक्ता रहे।

इस दौरान कुलपति ने कहा कि किसानों से अधिक आमदनी के लिए कृषि पद्धति में नवीन तकनीक को शामिल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश का किसान बहुत मेहनती है लेकिन उसे अपनी मेहनत का पूरा फल नहीं मिल रहा है।

उन्हें यदि अपनी आय को बढ़ाना है तो कृषि की पुरानी पद्धति से हटकर नए ढंग से कृषि करनी होगी। जीवन में गेहूं, चावल, जौ और दलहनों की 25 उन्नत किस्में विकसित की जिनके परिणामस्वरूप भारतीय उपमहाद्वीप में खाद्यान्न उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कृषि तकनीक के विकास में बहुत प्रगति हुई है। जो किसान इस नई तकनीक को अपना रहे हैं वह बढ़िया उत्पादन और आमदनी प्राप्त कर रहे हैं।

इस अवसर पर कुलपति ने फिफ्टी ईयरज ऑफ रिसर्च ऑन क्रॉप इंप्रूवमेंट विषय पर पुस्तक का भी विमोचन किया तथा मंच पर उपस्थित अतिथियों को शॉल भेंटकर सम्मानित किया।

डॉ. रामधन सिंह ने पौध प्रजनन के क्षेत्र अतुलनीय उपलब्धियां हासिल की है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. केएस ग्रेवाल तथा रॉव बहादुर डॉ. रामधन सिंह चेयर के संयोजक डॉ. आईएस पंवार ने भी संबोधित किया। मंच का संचालन डॉ. मुकेश सैनी ने किया।

विदेशी एक्सपर्ट बोले- एक मंच पर आकर शोध फायदेमंद

यह विवि कृषि अनुसंधान का एक उत्कृष्ट केन्द्र है जोकि दूसरे देशों के साथ भी कृषि अनुसंधान में सहयोग कर रहा है। आज विश्व में भारत सहित करीब 60 देशों में शोध संस्थानों के साथ मिलकर करीब 250 अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य हो रहा है। एचएयू के साथ इस विश्वविद्यालय का सहयोग कृषि के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। **-डेनियल एल्टिन,** उपाध्यक्ष, यूनिवर्सिटी ऑफ गुएल्फ, कनाडा।

पिछले 25-30 वर्षों में कृषि प्रौद्योगिकी और कृषि पद्धति में बहुत बदलाव आया है। इसे अपनाने वाले किसान कृषि से अधिक आमदनी ले रहे हैं। कृषि अवशेषों और उत्पादनों का पुनः प्रयोग किसानों के लिए लाभदायक हो सकता है। काम्पटीटिव ग्रीन टेक्नोलॉजी इस विषय पर कार्य कर रहा है। **- माइक टाइसन,** अध्यक्ष, कम्पिटीटिव ग्रीन टेक्नोलॉजीस, कनाडा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पँजाब केसरी

दिनांक 2.2.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 6-8

भारत 60 देशों के शोध संस्थानों के साथ 250 परियोजनाओं पर कर रहा काम : डेनियल एल्टिन

हिसार, 1 फरवरी (ब्यूरो) : एच.ए.यू. (चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय) में शुक्रवार को रॉव बहादुर डा. रामधन सिंह मैमोरियल लैक्चर का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य वक्ता कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ गुएल्फ के उपाध्यक्ष डेनियल एल्टिन ने शिरकत की। उन्होंने स्थानीय एवं वैश्विक कृषि और ग्रामीण समुदायों पर यूनिवर्सिटी ऑफ गुएल्फ का प्रभाव विषय पर मुख्य संभाषण दिया।

उन्होंने कहा यह विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान का एक उत्कृष्ट केन्द्र है जो कि दूसरे देशों के साथ भी कृषि अनुसंधान में सहयोग कर रहा है। आज विश्व में भारत करीब 60 देशों में शोध संस्थानों के साथ मिलकर करीब 250 अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। मुख्यातिथि एच.ए.यू. के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने किसानों से अधिक आमदनी के लिए कृषि पद्धति में नवीन टैक्नोलॉजी को शामिल करने का आह्वान किया। उन्हें यदि अपनी आय को बढ़ाना है तो कृषि की पुरानी पद्धति से हटकर नए ढंग से कृषि करनी होगी।

इस अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि कम्पीटीटिव ग्रीन टैकनोलोजीस लीमिंगटन, कनाडा के अध्यक्ष माइक टाइसन व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल बाली मौजूद थे। टाइसन ने कहा कि पिछले 25-30 वर्षों में कृषि प्रौद्योगिकी और कृषि पद्धति में बहुत बदलाव आया है। बदलाव को अपनाने वाले किसान कृषि से अधिक आमदनी ले रहे हैं। बाली ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि अवशेषों और उपोत्पादनों का पुनः प्रयोग किसानों के लिए बहुत लाभदायक हो सकता है। उन्होंने कहा कम्पीटीटिव ग्रीन टैकनोलोजीस इस विषय पर कार्य कर रहा है। इससे पूर्व हकृवि के अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत ने डा. रामधन सिंह के जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कुलपति ने फिफ्टी ईयरज ऑफ रिसर्च ऑन क्रॉप इंप्रूवमैंट विषय पर पुस्तक का भी विमोचन किया तथा मंच पर उपस्थित अतिथियों को शॉल भेंटकर सम्मानित किया।

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह पुस्तक का विमोचन करते हुए। उनके साथ हैं डेनियल एल्टिन, माइक टाइसन, अतुल बाली एवं अन्य।

प्रोग्राम में मौजूद प्रतिभागी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....अमर उजाला........

दिनांक ...2.2.2019... पृष्ठ सं. ....6.... कॉलम ....3-8....

कृषि

एचएयू में हुआ रामधन सिंह मेमोरियल लेक्चर का आयोजन, कनाडा यूनिवर्सिटी के उपाध्यक्ष डेनियल एल्टिन मुख्य वक्ता रहे

कृषि पद्धति में नवीन तकनीक को शामिल करें किसान : प्रो. सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शुक्रवार को राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे, जबकि यूनिवर्सिटी ऑफ गुएल्फ कनाडा के उपाध्यक्ष डेनियल एल्टिन मुख्य वक्ता थे। कुलपति ने अपने संबोधन में किसानों से अधिक आमदनी के लिए कृषि पद्धति में नवीन तकनीक को शामिल करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा देश का किसान बहुत मेहनती हैं, लेकिन उसे अपनी मेहनत का पूरा लाभ नहीं मिल रहा है। उन्हें यदि अपनी आय बढ़ानी है तो नए ढंग से खेती करनी होगी। उन्होंने कहा कृषि तकनीक के विकास में बहुत प्रगति हुई है। उन्होंने डॉ. रामधन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए पौध प्रजनन के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को याद किया। उन्होंने उस समय जब देश पराधीन था। देशवासियों के पोषण के लिए अनाज की अनेक उन्नत किस्मों का विकास करके उन्हें पोषण सुरक्षा प्रदान करने का कार्य किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने इस महान कृषि वैज्ञानिक को आदर्श बनाया है।

बाली ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि अवशेषों और उत्पादों का पुनः प्रयोग किसानों के लिए बहुत लाभदायक हो सकता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. केपी सिंह। - अमर उजाला

अंतरराष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम होगा

वीसी ने कहा आगामी नवंबर या दिसंबर माह में विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें इस विश्वविद्यालय के पूर्व स्नातक, देश-विदेश में इस विश्वविद्यालय के 50 के करीब सहयोगी विश्वविद्यालयों व अन्य संस्थानों के प्रतिनिधि मुख्य रूप से भाग लेंगे।

अनुसंधान का उत्कृष्ट केंद्र है जीजेयू ?

कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ गुएल्फ के उपाध्यक्ष डेनियल एल्टिन ने स्थानीय एवं वैश्विक कृषि और ग्रामीण समुदायों पर यूनिवर्सिटी ऑफ गुएल्फ का प्रभाव विषय पर मुख्य संभाषण दिया। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान का एक उत्कृष्ट केंद्र है, जोकि दूसरे देशों के साथ भी कृषि अनुसंधान में सहयोग कर रहा है। कंपीटीटिव ग्रीन टेक्नोलॉजिस लीमिंगटन कनाडा के अध्यक्ष माइक टाइसन व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल बाली विशिष्ट अतिथि थे। टाइसन ने कहा कि पिछले 25-30 वर्षों में कृषि प्रौद्योगिकी और कृषि पद्धति में बहुत बदलाव आया है।

कार्यक्रम में एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. केएस ग्रेवाल तथा रॉव बहादुर डॉ. रामधन सिंह चेयर के संयोजक डॉ. आईएस पंवार ने भी संबोधित किया। मंच का संचालन डॉ. मुकेश सैनी ने किया। इस अवसर पर कुलपति ने फिफ्टी इयर्ज ऑफ रिसर्च ऑन क्रॉप इंप्रूवमेंट विषय पर पुस्तक का भी विमोचन किया तथा मंच पर उपस्थित अतिथियों को शॉल भेंटकर सम्मानित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....हरि भूमि........

दिनांक ..2.2.2019.. पृष्ठ सं. ....16.... कॉलम ....5-8....

'आमदनी बढ़ाने के लिए किसान अपनाएं नई तकनीक'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि में राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे। जबकि

■ हकृवि में डा. रामधन सिंह मेमोरियल लेक्चर का आयोजन

यूनिवर्सिटी ऑफ गुएल्फ़, कनाडा के उपाध्यक्ष डेनियल एल्टिन मुख्य वक्ता थे। कुलपति ने अपने संबोधन में किसानों से अधिक आमदनी के लिए कृषि पद्धति में नवीन तकनालोजी को शामिल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा देश का

किसान बहुत मेहनती है लेकिन उसे अपनी मेहनत का पूरा फल नहीं मिल रहा है। उन्हें यदि अपनी आय को बढ़ाना है तो कृषि की पुरानी पद्धति से हटकर नए ढंग से कृषि करनी होगी।

उन्होंने कहा कृषि तकनालोजी के विकास में बहुत प्रगति हुई है। जो किसान इस नई तकनालोजी को अपना रहे हैं वह बढ़िया उत्पादन और आमदनी प्राप्त कर रहे हैं।

उन्होंने डॉ. रामधन सिंह को श्रद्धांजलि दते हुए पौध प्रजनन के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को याद किया। उन्होंने उस समय जब देश पराधीन था देशवासियों के पोषण के लिए अनाज की अनेक उन्नत किस्मों का विकास करके उन्हें पोषण सुरक्षा प्रदान करने का कार्य किया। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ गुएल्फ के उपाध्यक्ष डेनियल एल्टिन ने स्थानीय एवं वैश्विक कृषि और ग्रामीण समुदायों पर यूनिवर्सिटी ऑफ गुएल्फ़ का प्रभाव विषय पर मुख्य संभाषण दिया। उन्होंने कहा यह विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान का एक उत्कृष्ट केन्द्र है। आज विश्व में भारत सहित करीब 60 देशों में शोध संस्थानों के साथ मिलकर करीब 250 अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। इस अवसर पर कम्पिटीटिव ग्रीन टैकनोलोजीस, लीमिंगटन, कनाडा के अध्यक्ष श्री माइक टाइसन व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल बाली विशिष्ट अतिथि थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम नभ छोर
दिनांक 1.2.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 2-7

किसान को मेहनत का पूरा फल नहीं मिल रहा है : कुलपति

हिसार/01 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह मैमोरियल लैक्चर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे जबकि यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ, कनाडा के उपाध्यक्ष, डेनियल एल्टिन मुख्य वक्ता थे। कुलपति ने अपने संबोधन में किसानों से अधिक आमदनी के लिए कृषि पद्धति में नवीन तकनालोजी को शामिल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा देश का किसान बहुत मेहनती है लेकिन उसे अपनी मेहनत का पूरा फल नहीं मिल रहा है। उन्हें यदि अपनी आय को बढ़ाना है तो कृषि की पुरानी पद्धति से हटकर नए ढंग से कृषि करनी होगी। उन्होंने कहा कृषि टैक्नोलॉजी के विकास में बहुत प्रगति हुई है। जो किसान इस नई टैक्नोलॉजी को अपना रहे हैं वह बढ़िया उत्पादन और आमदनी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने डॉ. रामधन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए पौध प्रजनन के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को याद किया। उन्होंने कहा कि उस समय जब देश पराधीन था देशवासियों के पोषण के लिए अनाज की अनेक उन्नत किस्मों का विकास करके उन्हें पोषण सुरक्षा प्रदान करने का कार्य किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने इस महान कृषि वैज्ञानिक को आदर्श बनाया है और देश को खाद्यान्न एवं पोषण सुरक्षा प्रदान करने हेतु अनाज, फल, सब्जियों, मसालों, चारा आदि की अनेक उन्नत किस्मों का विकास किया है। यह विश्वविद्यालय कल से अपनी विकास यात्रा के स्वर्ण जयंति वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है जोकि सभी के लिए गौरव का विषय है। इस वर्ष को यादगार बनाने के लिए वर्षभर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसके द्वारा इसकी उपलब्धियों को देश-विदेश में उजागर किया जाएगा। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ के उपाध्यक्ष, डेनियल एल्टिन ने स्थानीय एवं वैश्विक कृषि और ग्रामीण समुदायों पर यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ का प्रभाव विषय पर मुख्य संभाषण दिया। उन्होंने कहा यह विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान का एक उत्कृष्ट केन्द्र है जोकि दूसरे देशों के साथ भी कृषि अनुसंधान में सहयोग कर रहा है। इस अवसर पर कम्पिटीटिव ग्रीन टैकनोलोजीस, लीमिंगटन, कनाडा के अध्यक्ष माइक टाइसन व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल बाली विशिष्ट अतिथि थे। टाइसन ने कहा कि पिछले 25-30 वर्षों में कृषि प्रौद्योगिकी और कृषि पद्धति में बहुत बदलाव आया है। बदलाव को अपनाने वाले किसान कृषि से अधिक आमदनी ले रहे हैं। इससे पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने डॉ. रामधन सिंह के जीवनवृत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने जीवन में गेहूं, चावल, जौ और दलहनों की 25 उन्नत किस्में विकसित की जिनके परिणामस्वरूप भारतीय उपमहाद्वीप में खाद्यान्न उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। कार्यक्रम को एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. केएस ग्रेवाल तथा राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह चेयर के संयोजक डॉ. आईएस पंवार ने भी संबोधित किया। मंच का संचालन डॉ. मुकेश सैनी ने किया। इस अवसर पर कुलपति ने फिफ्टी ईयरज़ ऑफ रिसर्च ऑन क्रॉप इंप्रूवमेंट विषय पर पुस्तक का भी विमोचन किया तथा मंच पर उपस्थित अतिथियों को शॉल भेंटकर सम्मानित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिटी पल्स
दिनांक 1.2.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 2-5

कार्यक्रम | हकृवि में राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह मैमोरियल लैक्चर का आयोजन

किसानों की आय बढाने के लिए कृषि को नई पद्धति से करने की जरूरतः कुलपति

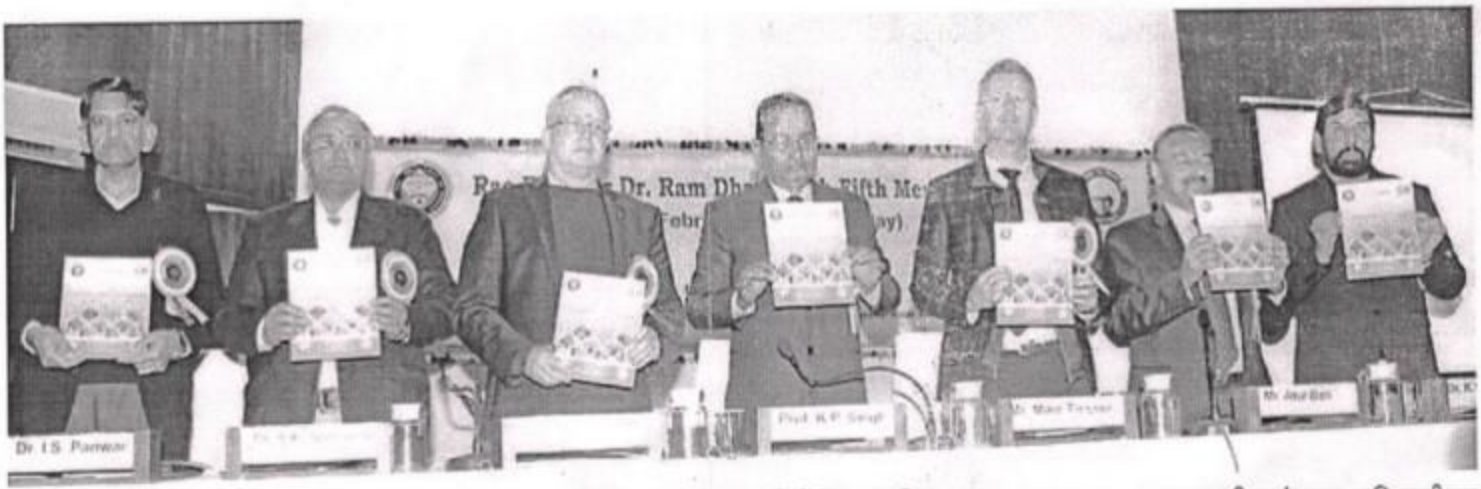

हिसार। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह पुस्तक का विमोचन करते हुए। उनके साथ हैं डेनियल एल्टिन, माइक टाइसन, अतुल बाली एवं अन्य अधिकारीगण

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज रॉव बहादुर डॉ. रामधन सिंह मैमोरियल लैक्चर का आयोजन किया गया। कुलपति ने किसानों से अधिक आमदनी के लिए कृषि पद्धति में नवीन टैक्नोलॉजी को शामिल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा देश का किसान बहुत मेहनती है लेकिन उसे अपनी मेहनत का पूरा फल नहीं मिल रहा है। उन्हें यदि अपनी आय को बढ़ाना है तो कृषि की पुरानी पद्धति से हटकर नए ढंग से कृषि करनी होगी। उन्होंने कहा कृषि टैक्नोलॉजी के विकास में बहुत प्रगति हुई है। जो किसान इस नई टैक्नोलॉजी को अपना रहे हैं वह बढ़िया उत्पादन और आमदनी प्राप्त कर रहे हैं।

उन्होंने डॉ. रामधन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए पौध प्रजनन के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को याद किया। उन्होंने उस समय जब देश पराधीन था देशवासियों के पोषण के लिए अनाज की अनेक उन्नत किस्मों का विकास करके उन्हें पोषण सुरक्षा प्रदान करने का कार्य किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने इस महान कृषि वैज्ञानिक को आदर्श बनाया है और देश को खाद्यान्न एवं पोषण सुरक्षा प्रदान करने के लिए अनाज, फल, सब्जियों, मसालों, चारा आदि की अनेक उन्नत किस्मों का विकास किया है। यह विश्वविद्यालय कल से अपनी विकास यात्रा के स्वर्ण जयंति वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है जोकि सभी के लिए गौरव का विषय है। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ गुएल्फ़ के उपाध्यक्ष, डेनियल एल्टिन ने स्थानीय एवं वैश्विक कृषि और ग्रामीण समुदायों पर यूनिवर्सिटी ऑफ गुएल्फ़ का प्रभाव विषय पर मुख्य संभाषण दिया। उन्होंने कहा यह विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान का एक उत्कृष्ट केन्द्र है जोकि दूसरे देशों के साथ भी कृषि अनुसंधान में सहयोग कर रहा है। आज विश्व में भारत सहित करीब 60 देशों में शोध संस्थानों के साथ मिलकर करीब 250 अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। इससे पूर्व हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने डॉ. रामधन सिंह के जीवनवृत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने जीवन में गेहूं, चावल, जौ और दलहनों की 25 उन्नत किस्में विकसित की जिनके परिणामस्वरूप भारतीय उपमहाद्वीप में खाद्यान्न उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। कार्यक्रम को एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. केएस ग्रेवाल तथा रॉव बहादुर डॉ. रामधन सिंह चेयर के संयोजक डॉ. आई.एस. पंवार ने भी संबोधित किया। मंच का संचालन डॉ. मुकेश सैनी ने किया।

इस अवसर पर कुलपति ने फिफ्टी ईयरज़ ऑफ रिसर्च ऑन क्रॉप इंप्रूवमेंट विषय पर पुस्तक का भी विमोचन किया तथा मंच पर उपस्थित अतिथियों को शॉल भेंटकर सम्मानित किया।